University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

University in News on 29 May 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 5

आपदा प्रबंधन का पाठ पढ़ाएगा लखनऊ विश्वविद्यालय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही आपदा प्रबंधन का भी पाठ पढ़ाएगा। विश्वविद्यालय ने बृहस्पतिवार को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए। जिसका उद्देश्य दोनों संस्थान द्वारा इंटर एजेंसी ग्रुप के सहयोग से विश्वविद्यालयों का एक नेटवर्क विकसित करना है। यह नेटवर्क प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दस सूत्री एजेंडा (टीपीए) के छठवें बिंदु के आधार पर विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम और गतिविधियों में आपदा प्रबंधन के मुद्दों को शामिल करने और शिक्षकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और उन सभी लोगों को संवेदनशील बनाने और उनका मार्गदर्शन करने का काम करेगा। जिसमें कोरोना जैसी महामारी भी शामिल है। एमओयू पर लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और उप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष जनरल आरपी साही ने हस्ताक्षर किए। लविवि की तरफ से गतिविधियों का समन्वय करने के लिए प्रो. शीला मिश्रा को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। यूपीएसडीएमए की ओर से डॉ. भानु संयोजक इंटर एजेंसी व सचिव पीजीवीएस को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। एक सप्ताह के अंदर दोनो नोडल अधिकारी संयुक्त योजना प्रस्तुत कर काम शुरू कर देंगे।

एलयू शुरू करेगा योग और वैकल्पिक चिकित्सा संकाय

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय नए सत्र 2020-21 में पारंपरिक क्षेत्रों में अध्ययन और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए योग और वैकल्पिक चिकित्सा संकाय शुरू करेगा। इसमें पढ़ाई के साथ शोध कार्य भी होगा। हाल में हुई कार्य परिषद की बैठक में इस पर मुहर लग गई है। इसमें प्रवेश के लिए आवेदन भी जल्द शुरू किए जाएंगे। इस संकाय में दो विभाग होंगे, एक योग से जुड़ा और दूसरा प्राकृतिक चिकित्सा से जुड़ा। इन विभागों में यह कोर्स स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम के रूप में चलाया जाएगा। इसमें स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी डिप्लोमा, एकीकृत पांच साल का कार्यक्रम और पीएचडी कार्यक्रम शामिल है।

प्रवेश के लिए जल्द शुरू होंगे आवेदन

विश्वविद्यालय प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि योग विभाग में स्नातक कार्यक्रम में 60 सीटें, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा में क्रमशः 50 और 40 सीटें होंगी। जबकि प्राकृतिक चिकित्सा विभाग में बीएनवाईएस (बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज) का कोर्स होगा। इसमें स्नातक डिग्री में 60 सीटें और पीजी डिप्लोमा में 40 सीटें होंगी। विश्वविद्यालय में वर्तमान में चल रहे मानव चेतना और योग संस्थान को नए संकाय के साथ मिला दिया जाएगा। साथ ही विवि इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज नाम से एक अंत:विषयी अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण संस्थान भी शुरू कर रहा है। संस्थान आनुवांशिकी और संक्रामक रोगों के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला, सेमिनार, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम और पीएचडी कार्यक्रम शामिल है।

लिबरल पीस मॉडल की ढ़ी जानकारी : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा 'क्वेस्ट फॉर वर्ल्ड पीस इन 21 सेंचुरी' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। बृहस्पतिवार को समापन सत्र में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्युरिडिकल साइंसेज, कोलकाता के सहायक प्रो. विजय किशोर तिवारी ने 'ह्यूमन सेक्योरिटी, आरटुपी एंड द क्वेशचन ऑफ वर्ल्ड पीसः अ व्यू फ्रॉम थर्ड वर्ल्ड' विषय पर कहा कि वर्तमान परिदृश्य में शांति वांछनीय है। लेकिन हमें यह जानने की जरूरत है कि हमें किस प्रकार की शांति मिल रही है। उन्होंने लिबरल पीस मॉडल के बारे में गहनता से समझाया। वहीं, लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के डॉ. भानु प्रताप ने 'लीगल मोनिस्म एंड वर्ल्ड पीस' विषय पर कहा कि लीगल मोनिस्म सबसे उपेक्षित सिद्धांत है।

NBT Page 4

एलयू में खुलेगी योगा और प्राकृतिक चिकित्सा फैकल्टी

यूजी में 60 और पीजी में 50 सीटों पर होगा आवेदन

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में अब योग और प्राकृतिक चिकित्सा भी पढ़ाया जाएगा। इसके पारंपरिक क्षेत्रों में अध्ययन और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय योग और वैकल्पिक चिकित्सा संकाय खोलने जा रहा है। यह संकाय दो विभागों में सेल्फ फाइनैंस के कोर्स चलाएगा। आगामी शैक्षिक सत्र 2020-21 में ही इसकी शुरुआत की जा रही है।

एलयू के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि संकाय के दो विभाग होंगे। पहला योग विभाग और दूसरा प्राकृतिक चिकित्सा विभाग। इनमें यूजी,पीजी, पीजी डिप्लोमा, एकीकृत पांच साल का कार्यक्रम और पीएचडी कार्यक्रम चलाएगा। योग विभाग में यूजी कार्यक्रम में 60 सीटें, पीजी और डिप्लोमा में 50 और 40 सीटें होंगी। प्राकृतिक चिकित्सा विभाग में बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी ऐंड योगिक साइंसेज की यूजी डिग्री में 60 सीटें और पीजी डिप्लोमा में 40 सीटें होंगी। विश्वविद्यालय में वर्तमान में चल रहे मानव चेतना और योग संस्थान को इस नए संकाय के साथ मिला दिया जाएगा।

आपदा प्रबंधन के लिए विश्वविद्यालयों का नेटवर्क तैयार करेगा एलयू

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय और उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बीच गुरुवार को एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इसके तहत दोनों संस्थाएं इंटर एजेंसी ग्रुप यूपी के सक्रिय सहयोग से विश्वविद्यालयों का नेटवर्क विकसित करेंगे।

यह नेटवर्क प्रधानमंत्री के दस सूत्री अजेंडा (टीपीए) के छठवें बिंदु के आधार पर विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम और गतिविधियों में आपदा प्रबंधन के मुद्दों को शामिल करने और शिक्षकों, शोधकर्ताओं, छात्रों को संवेदनशील बनाने और उनका मार्गदर्शन करने का काम करेंगे। एलयू से गतिविधियों का समन्वय करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में सांख्यिकी विभाग की प्रो. शीला मिश्रा और यूपीएसडीएमए से डॉ. भानु संयोजक इंटर एजेंसी और सचिव पीजीवीएस को नामित किया गया है।

एलयू प्रशासन और उप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

i-Next Page 3

एलयू में योग और वैकल्पिक चिकित्सा संकाय

यूजी में 60 और पीजी में 50 सीटें संग शुरू होगा डिपार्टमेंट

बीमारियों पर भी होगा रिसर्च

एलयू इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज नाम से एक ट्रेनिंग सेंटर भी शुरू कर रहा है. जिसमें डीएनए विश्लेषण, आरएनए विश्लेषण आदि विषयों पर रिसर्च पर जोर दिया जाएगा. संस्थान आनुवांशिक और संक्रामक रोगों के क्षेत्र में सेमिनार, ट्रेनिंग आदि का आयोजन करेगा.

LUCKNOW(28 MAY, INEXT):लखनऊ यूनिवर्सिटी योग और प्राकृतिक चिकित्सा के पारंपरिक क्षेत्रों में अध्ययन और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए सेल्फ फाइनेंस मोड में योग और वैकल्पिक चिकित्सा संकाय शुरू करने जा रहा है. आगमी शैक्षिक सत्र में इसकी शुरुआत होगी.

दो डिपार्टमेंट होंगे

यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि संकाय के दो विभाग योग और प्राकृतिक चिकित्सा होंगे. इसमें ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन और पीएचडी प्रोग्राम चलाया जाएगा. योग विभाग में यूजी में 60 सीटें, पीजी और डिप्लोमा में क्रमशः 50 और 40 सीटें होंगी. प्राकृतिक चिकित्सा विभाग में बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस में 60 सीटें होंगी. पीजी डिप्लोमा में 40 सीटें होंगी. यूनिवर्सिटी में चल रहे मानव चेतना और योग संस्थान को नए संकाय के साथ मिलाया जाएगा.

Hindustan Page 6

लविवि छात्रों को आपदाओं से निपटने के लिए तैयार करेगा

समझौता

● एलयू और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बीच हुआ समझौता ● नोडल अधिकारी मिलकर कार्य योजना बनाएंगे

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और उप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ले जनरल आरपी साही ने समझौते पर हस्ताक्षर किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय अब प्रदेश भर के विश्वविद्यालयों के शिक्षकों से लेकर छात्रों तक को आपदा प्रबंधन के लिए तैयार करेगा। गुरुवार को लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और उप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ले. जनरल आरपी साही के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

इसके तहत दोनों संस्थाएं मिलकर प्रदेश के विश्वविद्यालयों का नेटवर्क विकसित करेंगी। यह नेटवर्क विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम और गतिविधियों में आपदा प्रबंधन के मुद्दों को शामिल करेगा और शिक्षकों, शोधकर्ताओं, छात्रों आदि को संवेदनशील बनाने के साथ ही उनका मार्गदर्शन भी करेगा।

लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह नेटवर्क प्रधानमंत्री के दस सूत्री एजेंडा (टीपीए) के 6वें बिंदु के आधार पर काम करेगा। इसके अनुसार आपदा जोखिम न्यूनीकरण (एसएफडीआरआर) के लिए रूपरेखा और यदि आवश्यक हो तो मध्य-पाठ्यक्रम सुधार का सुझाव देगा।

इनको सौंपी गई है जिम्मेदारीः डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि लविवि की ओर से गतिविधियों का समन्वय करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में सांख्यिकी विभाग की प्रो. शीला मिश्रा को नामित किया गया है। वहीं यूपीएसडीएमए की ओर से डॉ. भानु को संयोजक इंटर एजेंसी व सचिव पीजीवीएस को नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। एक सप्ताह के अंदर दोनों नोडल अधिकारी संयुक्त योजना प्रस्तुत कर कार्य प्रारम्भ कर देंगे।

वैकल्पिक चिकित्सा का कोर्स चलेगा

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लविविः बीमारियों पर छात्र करेंगे शोध

लखनऊ विश्वविद्यालय में अब योग और प्राकृतिक चिकित्सा भी पढ़ाई जाएगी। विवि में इस क्षेत्र के अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए योग और वैकल्पिक चिकित्सा संकाय शुरू किया जाएगा। संकाय दो विभागों में स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम संचालन करेगा। शैक्षिक सत्र 2020-21 में ही इसकी शुरुआत होगी।

लविवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि संकाय के दो विभाग योग व प्राकृतिक चिकित्सा होंगे। स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी डिप्लोमा, एकीकृत पांच साल का कार्यक्रम व पीएचडी कार्यक्रम चलाया जाएगा। योग स्नातक कार्यक्रम में 60 सीटें होंगी, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा में क्रमशः 50 और 40 सीटें होंगी। प्राकृतिक चिकित्सा में बीएनवाईएस (बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज) की स्नातक डिग्री में 60 सीटें व पीजी डिप्लोमा में 40 सीटें होंगी। विवि मे चल रहे मानव चेतना और योग संस्थान को भी नए संकाय में मिला दिया जाएगा।

लविविः बीमारियों पर छात्र करेंगे शोध

लविवि इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज नामक एक अंत:विषयी अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण संस्थान भी शुरू कर रहा है। संस्थान में आणविक स्तर पर डीएनए विश्लेषण, आरएनए विश्लेषण आदि जैसे विषयों में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान पर जोर दिया जाएगा। साथ ही संक्रामक रोगों के आणविक जीव विज्ञान को समझना और उनसे सम्बन्धी तकनीकों जैसे रियल टाइम पीसीआर (पॉलीमरेज चेन रिएक्शन), इलेक्ट्रोफोरेसिस, एचपीएलसी (हाई परफॉरमेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी), मास स्पेक्ट्रोमेट्री आदि में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

DAINIK JAGRAN Page 4

लविवि में शुरू होगा योग और वैकल्पिक चिकित्सा संकाय

योग विभाग में 60 स्नातकोत्तर और डिप्लोमा में 50 व 40 होंगी सीटें

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने योग और प्राकृतिक चिकित्सा के पारंपरिक क्षेत्रों में अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा देने का मन बनाया है। इसके तहत लविवि प्रशासन योग और वैकल्पिक चिकित्सा संकाय शुरू करने जा रहा है। संकाय दो घटक विभागों में स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम चलाएगा।

साथ ही स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी डिप्लोमा, एकीकृत पांच साल का कार्यक्रम और पीएचडी कार्यक्रम चलाएगा। योग विभाग में स्नातक कार्यक्रम में 60 सीटें होंगी, वहीं स्नातकोत्तर और डिप्लोमा में क्रमश 50 और 40 सीटें होंगी। प्राकृतिक चिकित्सा विभाग में बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज की स्नातक डिग्री में 60 सीटें होंगी, वहीं, पीजी डिप्लोमा में 40 सीटें होंगी। बता दें कि विश्वविद्यालय में मौजूदा समय में चल रहे मानव चेतना और योग संस्थान को नए संकाय के साथ मिला दिया जाएगा। लविवि इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज नामक एक अंतर्विषयी अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण संस्थान भी शुरू कर रहा है। संस्थान में आणविक स्तर पर डीएनए विश्लेषण, आरएनए विश्लेषण आदि जैसे विषयों में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान के तीन प्रमुख लक्ष्य होंगे। साथ ही संक्रामक रोगों के आणविक जीव विज्ञान को समझना और उनसे संबंधी जैसे रियल टाइम पीसीआर, इलेक्ट्रोफोरेसिस, एचपीएलसी (हाई परफॉरमेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी), मास स्पेक्ट्रोमेट्री आदि में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

लविवि और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मिलकर करेंगे काम

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय और उप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ले जनरल आरपी साही के बीच गुरुवार को ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किया गया।

विवि के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि समझौते के मुताबिक दोनों संस्थाएं इंटर एजेंसी ग्रुप उत्तर प्रदेश के सक्रिय सहयोग से विश्वविद्यालयों का नेटवर्क विकसित करेंगे। यह नेटवर्क प्रधानमंत्री के दस सूत्रीय एजेंडे (टीपीए) के छठे बिंदु के आधार पर विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम और गतिविधियों में आपदा प्रबंधन के मुद्दों को शामिल करेंगे और शिक्षकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और उन सभी लोगों को संवेदनशील बनाने और उनका मार्गदर्शन करने का कार्य करेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय की तरफ से गतिविधियों का समन्वय करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में प्रोफेसर शीला मिश्रा, सांख्यिकी विभाग को नामित किया गया है। यूपीएसडीएमए की ओर से डॉ भानु संयोजक इंटर एजेंसी व सचिव पीजीवीएस को नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

THE PIONEER Page 3

Faculty of Yoga and Alternative Medicine at university soon

Lucknow (PNS): Lucknow University is going to start Faculty of Yoga and Alternative Medicine to encourage study and research in the traditional fields of Yoga and Naturopathy. LU media spokesperson said the faculty would run self-financed courses in two constituent departments and have UG, PG, Diploma and an integrated 5-year programme apart from PhD. The UG programme in the department of Yoga will have 60 seats while PG & Diploma courses in Yoga 50 and 40 seats, respectively. In the department of Naturopathy, there will be a 'Bachelors in Naturopathy and Yogic Sciences' programme with 60 seats while PG Diploma will have 40 seats. The existing Institute of Human Consciousness and Yoga will be merged with the new faculty, the spokesperson said.

LU is also starting an inter-disciplinary research, teaching and training institute called Institute of Advanced Molecular Genetics and Infectious Diseases (IAMGID). The institute will have three major goals of teaching, training and research in the fields of DNA analysis, RNA analysis, understanding molecular biology of infectious diseases and training enrolled students in techniques like real-time PCR (Polymerase Chain Reaction), electrophoresis, HPLC (High Performance Liquid Chromatography), mass spectrometry, etc. The institute will also offer training programmes, workshops, seminars, certificate courses etc in the area of genetics and infectious diseases. IAMGID will also offer awareness campaigns and community outreach activities.

PIONEER Page 3

एलयू शुरू करेगा योग और वैकल्पिक चिकित्सा संकाय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय योग और प्राकृतिक चिकित्सा के पारंपरिक क्षेत्रों में अध्ययन और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए योग और वैकल्पिक चिकित्सा संकाय शुरू करने जा रहा है। संकाय दो घटक विभागों में स्व.वित्तपोषित पाठ्यक्रम चलाएगा और स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी डिप्लोमा, एकीकृत पांच साल का कार्यक्रम और पीएचडी कार्यक्रम चलाएगा।

विवि के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक योग विभाग में स्नातक कार्यक्रम में 60 सीटें होंगी। जबकि स्नातकोत्तर और डिप्लोमा में क्रमशः 50 और 40 सीटें होंगी। प्राकृतिक चिकित्सा विभाग में बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेजद्ध की स्नातक डिग्री में 60 सीटें होंगी और पीजी डिप्लोमा में 40 सीटें। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में वर्तमान चल रहे मानव चेतना और योग संस्थान को नए संकाय के साथ मिला दिया जाएगा। वही विश्वविद्यालय इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज नामक एक अंत:विषयी अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण संस्थान भी शुरू कर रहा है। संस्थान का आणविक स्तर पर डीएनए विश्लेषण, आरएन, विश्लेषण आदि जैसे विषयों में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान के तीन प्रमुख लक्ष्य होंगे। साथ ही संक्रामक रोगों के आणविक जीव विज्ञान को समझना और उनसे सम्बन्धी तकनीकों को प्रशिक्षित करना भी इसके लक्ष्यों में सम्मिलित होगा। संस्थान आनुवांशिकी और संक्रामक रोगों के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला, सेमिनार, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम आदि भी प्रदान करेगा।

आपदा प्रबंधन नेटवर्क बनाने में विश्वविद्यालयों की मदद करेगा एलयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 सूत्री एजेंडे के तहत आपदा प्रबंधन के लिए विश्वविद्यालयों का नेटवर्क तैयार करने में लखनऊ विश्वविद्यालय सक्रिय भूमिका अदा करेगा। इस बाबत गुरुवार को लखनऊ विश्वविद्यालय और उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। हस्ताक्षर के तहत दोनों संस्थाएं इंटर एजेंसी ग्रुप उत्तर प्रदेश के सक्रिय सहयोग से विश्वविद्यालयों का नेटवर्क विकसित करेंगे। अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय और उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल आरपी शाही ने किया। यह अनुबन्ध हस्ताक्षर की तिथि से लागू माना जायेगा। समझौते के मुताबिक दोनो संस्थायें विश्वविद्यालयों का नेटवर्क विकसित करेंगे। यह नेटवर्क प्रधान मंत्री के दस सूत्री एजेंडा, टीपीए के 6वें बिंदु के आधार पर विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम और गतिविधियों में आपदा प्रबंधन के मुद्दों को शामिल करने और शिक्षकोंए शोधकर्ताओं, छात्रों को संवेदनशील बनाने और उनका मार्गदर्शन करने का कार्य करेंगे।

एलयू व उप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

TOI Page 2

Illustrious LU alumni to turn mentors for students

Mohita.Tewari
@timesgroup.com

Lucknow: Students of Lucknow University will get an opportunity to be mentored by experts from different fields from India and abroad, thanks to the university's alumni portal made in the centenary year.

Around 1,000 former students have expressed their wish to get registered on the portal, using which they will get an opportunity to be LU's adjunct or part-time professors who will guide, teach and help students in getting placed in various sectors.

The list of former students who have expressed interest in giving back to their alma mater by way of sharing knowledge includes many gems.

"Be it our former students who are faculty in IITs and IIMs or scientists based abroad, all will get connected to the university via the alumni portal. This portal will have various sections for both former students and retired teachers who want to help their alma mater and institution to nurture students," said coordinator of the portal Prof Nishi Pandey.

She said the portal will be revamped further so that adjunct professors can volunteer to teach students, or share industry and market trends, give them the opportunity to work in their organization or provide internships.

The alumni can either guide and mentor students online or visit the campus as per a schedule fixed.

Prof Pandey said the portal will also have one section for sharing funds for LU in which students can financially support the university.

PORTAL TO GIVE BACK

AROUND 1,000 LU ALUMNI HAVE EXPRESSED THEIR WISH TO REGISTER TO BECOME PART-TIME PROFESSORS WHO WILL GUIDE STUDENTS

THE LIST INCLUDES

Chief economist of international repute **Manoranjan Sharma**

Young scientist **Amit Khann** who has worked at Piramal Life Sciences

International media star **Ati Singh,** the founder and CEO of Fair Observer and professor at University of California, Berkeley

TOI Page 2

Make a career in yoga with LU course

Times News Network

Lucknow: Students who want to conduct research or make a career in yoga and alternative medicine will now have the opportunity to learn the discipline just after class XII at Lucknow University.

In its centenary year, LU has added a faculty dedicated to the disciplines which will have two departments—of yoga and naturopathy.

LU already runs an institute of human consciousness and yogic sciences that offers MA and a diploma in the discipline. It will be merged with the new faculty.

"Both disciplines are of high relevance in the present times when stress levels and anxiety are taking a toll on people's lives and performance. People are looking for cures through natural remedies," said vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

He said that since naturopathy is cost-effective and without any side effects, a large number of people opt for therapies like massage, sunbath, hydrotherapy, mud therapy and diet therapy. There is a great opportunity for jobs in the naturopathy field.

In yoga, apart from being a subject teacher in a school or college, career options include becoming an instructor or running a health centre.

The self-financed courses in the two departments will be available at the undergraduate, postgraduate, PG diploma, integrated five-year programme and PhD levels.

While yoga will have 60 seats at UG level, PG and diploma courses will have 50 and 40 seats, respectively. The department of naturopathy will offer a bachelors in naturopathy and yogic sciences degree with 60 seats and a PG diploma course with 40 seats.

Webinar at LU

Lucknow University is hosting a webinar as part of the 'Thinking Minds Series' on Friday afternoon. Titled 'Police reforms in India and response of Indian states to Covid-19', the webinar will have a keynote address by Prof Akshay Mangla from the University of Oxford, UK. It is being organized by the academic cell.